**Need for management of stray animals**

**श्री नरेन्द्र बुढानिया** (राजस्थान): सर, देश का किसान महंगे बीज और महंगी खाद खरीदता है और देश के लोगों का पेट भरने के लिए अनाज पैदा करता है। किसान जो फसल बोता है, उसको लेकर उसके बड़े-बड़े सपने होते हैं, लेकिन आज आवारा पशुओं से किसान की फसल बरबाद हो रही है। देखने में यह बहुत छोटा इश्यू लग सकता है, लेकिन आज यदि देश के अंदर कोई सबसे बड़ी समस्या है, तो वह इन आवारा पशुओं की है। महोदय, पूरी-पूरी रात किसान अपने परिवार के साथ अपनी फसल की रखवाली करता है। रात में कई बार उनको सांप काट लेते हैं या पशु अटैक कर देते हैं, फिर भी वे अपनी फसल को बचाने की कोशिश करते हैं।

महोदय, इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आज इन आवारा पशुओं के कारण हमारी कानून व्यवस्था भी चरमरा गई है। सड़क के ऊपर, हाईवे के ऊपर ये आवारा पशु आकर बैठ जाते हैं और हर रोज़ इनके कारण हजारों एक्सिडेंट्स होते हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है।

अभी मैं राजस्थान के चुरु जिले में गया था, वहां पर जब मैं कलैक्ट्रेट में गया, तो मैंने वहां देखा कि पूरे कलैक्ट्रेट में आदमियों के बजाए आवारा पशु, गाय, बैल इत्यादि भरे हुए थे। एक तरफ लोगों को इन पशुओं से अपनी रक्षा करनी पड़ती है और यदि दिन में कहीं कोई घर खुला रह जाए, तो ये आवारा पशु उस घर के अंदर घुस जाते हैं, बच्चों पर अटैक कर देते हैं।

मैं यह नहीं कहना चाहता, लेकिन आज जो संगठन गोरक्षा की बात करते हैं, उनको शर्म आनी चाहिए, आज उन गायों के चिथड़े सड़क के ऊपर बिखरे पड़े रहते हैं, कोई संभालने वाला नहीं है। मैं उनको मारने की बात नहीं करता, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार को आगे आना चाहिए और इन आवारा पशुओं की व्यवस्था करनी चाहिए। अब यह राज्य सरकार के वश की बात नहीं है। सैंकड़ों-हजारों पशु खुले रूप में बाहर घूम रहे हैं, इसके लिए आपको एक कानून व्यवस्था बनानी होगी और कड़े कदम उठाने होंगे। जो लोग अपने पशुओं को घरों से निकाल देते हैं, उनके ऊपर भी आपको कड़ी कार्यवाही के लिए सोचना पड़ेगा, लेकिन किसान को इनसे बचाना पड़ेगा इसके लिए आपको उन्हें सब्सिडी देनी पड़ेगी। लोगों ने लाठियों से पीट-पीट कर पशुओं को बुरा हाल कर रखा है।

महोदय, यह एक बहुत ही ज्वलंत इश्यू है और मैं समझता हूं कि इसके ऊपर किसी का कोई डिस्प्यूट नहीं होना चाहिए। आज पशुओं के नाम पर हत्याएं हो रही हैं, इसलिए आप इस समस्या की ओर अविलम्ब ध्यान दें।

**श्रीमती रेणुका चौधरी** (आन्ध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

**श्री रणविजय सिंह जूदेव** (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**श्री राजीव शुक्ल** (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**श्री शमशेर सिंह ढुलो** (पंजाब): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**चौधरी मुनव्वर सलीम** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†چودھری منور سلیم (اترپردیش): مہودے، میں بھی مانیئے سدسیئے کے اُلیکھ سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

**श्री हुसैन दलवई** (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**कुमारी शैलजा** (हरियाणा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

**श्री दर्शन सिंह यादव** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**डा. तज़ीन फातमा** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

†ڈاکٹر تزئین فاطمہ (اترپردیش): مہودے، میں بھی مانیئے سدسیئے کے اُلیکھ سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

**श्री भुवनेश्वर कालिता** (असम): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

**बहुत से माननीय सदस्य** : महोदय, हम भी माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करते हैं।

## Tenure of RBI Governor

**श्री राजीव शुक्ल** (महाराष्ट्र): सर, जैसा कि आपको पता है कि आरबीआई के गवर्नर ने इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने कहा है कि वे तीन साल से अधिक काम नहीं करेंगे। किस वजह से दिया, वह आप जानते हैं। कितने विवाद हुए, कितनी बयानबाजी हुई, क्या-क्या हुआ और आखिर में दुखी होकर वे जा रहे हैं। ठीक है, यह उनका निणर्य है, लेकिन हमारे यहां आरबीआई गवर्नर का जो पद है, इसके बारे में कुछ न कुछ स्टैंडर्ड, कुछ न कुछ चीजें बनाई जानी चाहिए। सबसे पहले तो टेन्योर का तय होना चाहिए। अगर मैं डिटेल दूं, तो the developed Countries; Chairman of the US Federal is appointed for a term of four years. The Governors of the Bank of England have a much longer term of eight years. The President of the European Central Bank has a non-renewable term of eight years. The average tenure of a Central Bank

†Transliteration in Urdu script.